

२ रागा ॥ मंगल ॥ गाललं ॥ हरगुमिसुगुमिप्रा
 दा ॥ ६ ॥ क ॥ मुनिनमानन्दसिंहप्रखशलाक
 मसंतान्यनधनमयाथाम ॥ गनमक्षबान
 किनधनमसकिअमनधरगासमडउवि
 नादाः हरगुमि ॥ १ ॥ दयालमसुस्यधनिः गु
 शिपरकासमल्लः कविजय ययपत्रकास
 ॥ गुणस्वप्रिपथुपनिदविषावर्गीगांगम
 सिउमाउमिमानिः रुसगुमिः ॥ २ ॥ ॐ ॥

२ रागा ॥ मंगल ॥ गालगद ॥ सिनिनिथना
 थया कृपादा ॥ कामनायत्रइलनाउ
 नधन ॥ १ ॥ सिनित्रेदावादाइत्रसाह
 ॥ संसालयाधनिः इलनाउ ॥ २ ॥ ॐ
 २ रागा ॥ मंगल ॥ गालवा ॥ वरुवित्रमा
 हाकालरुत्रव ॥ ६ ॥ कउनसिलस
 मरुकगस ॥ कत्रनिकपागुजास्यविः

काकः वज्रविन ॥ १ ॥ धूयाङ्गुलिधर
 सहिष्ठा ॥ धात्रसिलमालनकाखासः व
 ज्रविन ॥ २ ॥ नम्याहलनअसयागिसा
 ॥ आनन्दवगालयाभ्रसः वज्रविन ॥ ३ ॥
 मृनाथयाधूलिविनकिङ्कि ॥ स्वयं
 लज्जगनखनाडाः वज्रविन ॥ ४ ॥ दण्ड
 लयाशीलुत्रन्दविक्रमसाह ॥ काक
 मयामनपुत्रयाडाः वज्रवि ॥ ५ ॥ ॐ
 रारागा ॥ माल ॥ माल ॥ नअमां ॥ दादः वा
 लनसनिधिसालः अवधपथमदिन ॥
 दादाकषु दादाइः ख ॥ जगनकं यमाद्य
 रुंः दंः दंः ॥ दादिदादि दं मां दं मांः क
 उने उपा ॐ कं रुगुमि ॥ मद्यमृथरु
 मात्रिसवक मृगय ददा मदां माया ॥
 लाककं दं मापुमने ॥ इयं रयकु दं
 विमागा ॥ ॥ ॐ ॥

वज्रविन ॥ ११० ॥
 वज्रविन ॥ १११ ॥
 वज्रविन ॥ ११२ ॥

२॥ गंगा ॥ मां ल उम ॥ गाल लं ॥ मां गान मि
नमा देवि दामा नाथ्य ध्वति ॥ १ ॥ खाल
उध कपुत्रियाः न ऊच न्द्रुन ऊया ॥ २ ॥
सम कन्दे लरि दवि या ॥ सिल सम गु
कल्याः हल माधि माटि कयाः मल क
जा कल क अनयाः मां गान ॥ १ ॥ क
लिस हल ल गयाः दाल ऊ रि गधं नी या
॥ धन सिल नाग नं क र्वा या ॥ वि द्याः
कन सध दना म्वल द्वा क अनया ग
ध स कि दि न ऊ याः मां गान ॥ २ ॥ खर
खप नम नः जा धा अ दं व नृ थ ना ॥
हृ क कल रा ध व य लि या ॥ भू र य व न
वि या न स न य्या ख धा हू याः मा ह ल
पु म धा स ख न याः मां गान ॥ ३ ॥ हू
य म हू अ स भ्र या म ह मा गू पा ल याः ॥

॥ श्रीगणेशाय ॥ नमः ॥

मूननगुधगवक्रक्रया॥ मूनगदानकसाः
याहनेः श्रीमादासायाः क्राकक्रमूनथसिया
अःमानात्रशिः॥ ४ ॥ ॐ ॥

राग॥ ग्रासावत्रि॥ मालद्वर्मा॥ कालिभ्र
लाधमलिकः क्रससर्वधुलधिक॥ निलः
कवडमात्रिकननिकः सिलसहमागाः स
मुकलसमधिकः कंकालि॥ सिलसममुक
ससमधिकः शशिनिहमागाः दकिनिगन
नलिककंकालि॥ १ ॥ मिउनह्याउसजिः
कः माटियाहालधनिकः वदननिलभ्र
निलसलिलः रुकिगः धूँरुगुलिजसवो
कंकालि॥ रुकिगः धूँरुगुलिजसः
विकः लाहाठिसः हमागाः मुकिसकिमावति
कः कंकालि॥ २ ॥ राउनधलअलिकः कि
लिअसवदधिक॥ कंकालि कालिकालिः
काकालअडिकः मूनगधसुनपठडकिः

पवनउ
हि
हि

कः हरुणि मरुनि वि अ मृदि कः कं कालि

३ ॥ पापयाकक्रमहिकेः पुनयालप

सल्लिक ॥ श्रवणध्वज्याः सहापगिकश्

या अया निसः मद्य इहिकः कंका निसः ॥ ३ ॥

या अया लि सः मय इ हि कः या अ डि पां

पिञ्जः नुलिक गुलिकैकालि ॥ ४ ॥ ॐ ॥

२. प्राग ॥ कोला ॥ बालप्रका ॥ मुष्टिप्रथम

त्रिलङ्कायत्रिदाक्षमयायपत्रउयकात्रः

॥ मृगिह्नत्वधदना अनसुधः थउः ॥

दिनमे वा ना अ॥ अन्त उ माधस वा नः

मिना अनसः मुनेगस्वाक्षस्वया उः न

थि ॥ १ ॥ नृदि न उ वि नृ इ न यो क्ष वल

हि नमः प्रिलमः निधनाना ॐ ॥ बाल्यः

सार्द्धं यिकयावेधनः साधनं लनिथ

क्रोधः स्थितिः ॥ ३ ॥ खनो ज न द

वाहः शिवः ॥ २ ॥
सहितः ॥ गणपतिः ॥

भूतिका नूरा उगवाम्भुशवाजामह

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ला०॥ क्राया० हसलिन द कथ० अदि
 नः० अना० अथमया का नक्षः नृधि० ३
 ॥ द क स तिलया नाया अमिल हिलः खा
 या० अमिमाया वास ॥ अना० अ० अया थस
 किया० अगलसः रोग विलथ० अमांसः
 नृधि० ॥ ४ ॥ अत्रम० श्याक कृधत्रम
 शूलया० अगलसः ॥ अना० क० अयाथूः
 लिहू० क० किया० पगुलिः विहूनसत्रधः
 किया० लिः नृधि० ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 रारा० ॥ गोलगाद० ह० ह० निह० निह०
 काहा० जा० ॐ न० ह० ह० स० धि० त्र० ग० ठि० रु० या० ॥ वन
 थ० अत्रम० रु० ॐ ह० स० नि० त्र० ग० मिः ह० ह० नि० ह० नी
 ॥ १ ॥ क० त्र० म० कि० ह० ल० रु० ॐ इ० ख० म० निः
 रु० ॐ ॥ ग्रा० ऊ० इ० वि० क्र० म० सा० हा० रु० ध० नि० पः
 ग्रा० ऊ० ॥ ह० ह० नि० ह० नि० ॥ २ ॥ ॐ ॥

॥ ह० ह० नि० ह० नि० ॥ प० प० ॥

२ आराग ॥ आनंद ॥ बालकर्म ॥ हादकुंदः
लालयस्वरुः हादः नंग लालयस्वरु ॥ हा
दमा हयासगुकासकृधुलस्वहेशमधून
मृगमिगान्यस ॥ ॥ ॐ ॥

२॥ रागः ॥ सारंगः ॥ माला ॥ मधुहनिमव
जा ॥ वल्लभासखिविंश्यावधजा ॥ मनह
नि ॥ १ ॥ धुनियमनिविधनि कनक
नजा नि ॥ विनदगहकमनिप्राधपिन्
एवविनःमधुहनि ॥ १ ॥ गमउयहप
किष्ठीननवाहाइप्रनिप ॥ दखनसा
हरयकुमधिपगुनःमनहनि ॥ २ ॥
२॥ रागः ॥ सारंगः ॥ माला ॥ नमो २॥
ऊर्गाधायगुनरुन ॥ १ ॥ गवपिनि
गवलिनिमगलियविन्द्यावध ॥ वस
निवजा ॥ य २॥ मधुहनिगवपिगानःगु

नरुत ॥ १ ॥ पदसदस्काधुनः ॥ १ ॥
धुनविवासुन ॥ सालियमात्मानपधन
गितिः गुधरुत ॥ २ ॥ कलियसंघप
निः कलियमथनापुति ॥ कलियसं
खनः साहस इ उमलः गुधरुत ॥ ३ ॥
रुनयद्यापनिः साविकलपनि ॥ धीनः
धवाहा इ न रसाह वसिलामनिः गुध
रुतः गुनरुत ॥ ४ ॥ ॐ ॥
रनाग ॥ साल ॥ ॐ ॥ नालल ॥ धी क्वास्का
मिधिरुनकि ॥ अलायाविपनि ॥ ५ ॥ कन
कपुति ॥ उमिः क्वासदस आयदनि ॥
धनरेवनेदयक गुमनिः धी क्वास्काभिः
॥ १ ॥ क्वाल्माखविय म्पुटिजि अया
संदस्सुनि ॥ धिन रुयाय क्वा इ गुनिः
धी क्वास्को ॥ २ ॥ क्वासकि त्रिपु म्पु

॥ १ ॥ १११८ ॥
॥ १११८ ॥

मिः खयका अविद्वगाथूनि ॥ जगदध्या
 यद्गुरुमुनिः श्री कृष्ण ॥ ३ ॥ सगुनि
 याश्च कृमिनिहृन्कषकासाहृनि ॥ बोध
 विललामाशं धुमनिः श्री कृष्ण ॥ ४ ॥
 निपात्य कृदपटिवाहा इतधत्रपनी
 ॥ पत्रजायाश्च य अ कृगामिः श्री कृष्णः
 स्वाभिधिहृन्कषिकाः ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 रत्राग ॥ सार्त्राग ॥ गालययुमा ॥ ऊर्ध्वनि
 दविः सादः जगन्मन्थनिमादिमानाः
 सादः समवर्धुवर्धुंधात्राः सत्रधदाना
 सादः म० लाव्या० स्वत्रिमाहात्म्यी
 मिः सा सादः दविः कमात्रि ॥ ६ ॥
 (त्राग ॥ सार्त्राग ॥ गालययुमा ॥ श्री दविः
 धुंधात्रा खयका ० स्वत्रि ॥ छिन्न
 यधुवर्धुमा उन्नतनिः वसंधात्रा

कमानिलकिमि ॥ १ ॥ एतत्त्वयसः
 खटपात्रमिनादवि ॥ ऊअनवत्रदाः
 धविलऊधनिःवर्णुं ॥ २ ॥ वर्णुं धा
 त्राक्कानि माहालन्निस्वरुत्रप ॥ स्व
 क्रुद्धक्रुद्धविद्याकऊधनिःवर्णुं धाः
 ॥ ३ ॥ क्ताकक्रयाविद्यटिसुखीदवि
 वत्रधस ॥ स्वययलकत्रनामित्वानः
 ऊनधिःवर्णुं धात्रा ॥ ४ ॥ ८८८८ ॥
 २२२२ ॥ ११११ ॥ ११११ ॥ ११११ ॥
 गुमिधनयस्वानयामाल ॥ किधदनस्वानः
 मालकायदनियावत्रधस ॥ १ ॥ रगकिरु
 अधनसकयधुगुगुधकाय ॥ दयालकिमि
 यास्वामी ऊयपत्रकासधकाक ॥ २ ॥

२॥ ग्रासावनि ॥ गालयो ॥ श्री कृष्णा
 मिथिसवक उधत्रया कद्विन ॥ ५ ॥ सिः
 लसमगु कल्यावधमालान करवासेऽथा
 सथासदत्रासाठिथुधाल ॥ ६ ॥ अनस
 नऊमः खअधत्ररुनयारुं ऊधऊनाः
 अविद्याकः श्री कृष्णाः ॥ १ ॥ ऊंख
 अंमिथिनिवांविधि नया अत्रसनविद्या
 कमानदइया ॥ सपधसखनाकिनः
 लपालयाक-असगहिलकिधधयाः श्री
 कृष्णाः ॥ २ ॥ यद्वलिवियधका अ
 याकिज्ञासदसः प्रकिर्यामिखा कंसवान
 इल ॥ स्वसखदगायत्रज्ञाः दालकिदं अ
 लया-मा ०० यारु ऊधनियायः श्री कृष्णा
 स्थाः ॥ ३ ॥ कपालया कृष्ण श्री गुरुदे
 विप्रमः ऊसयापनगापवाल ॥ इधवि

श्री कृष्णा विनि ॥ १२३ ॥

क्रमसिंहः अयाजिह्नासदसः मा ॐ याः
 दनसधयानाः धीष्ठात्वाः ॥ ४ ॥ ॐ ॥
 रारा ॥ वेला अम् ॥ गालय ॥ संसालसम
 लहलका अऊधनिमाना २ ॥ ५ ॥ हसम
 याथसतिलकवलायामययासः गुधसः
 छिह्ना अम् ॥ कामकाधला रमा हः पा
 पसगुलकहिंसः किलसजिथिथमलला
 नाः ऊधनिमाना ॥ १ ॥ गधअनगनया
 न्यः जिग्धर्मिम्बाना योक्षः कयमन्यकि
 धजिग अम् ॥ ऊधनिच्छिधका अयाजि
 लिक्सवास्वास्तहोक्षः गूवलायामवः
 मउऊनाः ऊधनिमानाः ॥ २ ॥ ह्याना
 पापकधपुलिङः खद ॐ वनः गालपम
 ह्थधंदाध ॥ जनसजिदस अलः खपिव
 ॐ सजिथनः थजि अध अख ह्ममाया

रसिमाहसमरुह ॥ १२४ ॥

अथानिमागाः ॥ ३ ॥ ह्लाकभ्रयासाधुः
 त००० त्रव त००० त्रविः गनसदिगंद अहः
 वानि ॥ लखलपिडि मृग्यानिध अडर्ग
 हंरुवानिः कनमथ्य ऊर्मपुत्र दसः ऊः
 धानिमागाः संसालमः ॥ ४ ॥ ॐ ॥

रागा ॥ विराम ॥ गालर्त ॥ मृकपुत्र जा०००२
 मत्रिपुत्र के दखकहादि ॥ विरवनरुवध
 मेहि प्रखंड कृक नृगहो०० ॥ ५ ॥ सन
 मधधत्रियर मत्रिपो कृक धधानहादिः
 ॥ मपालरुवनपकि छुत्रेन्द्रविक्रमसा

सदवः ॥ २ ॥ ॐ ॥
 रागा ॥ काहि ॥ गालश्रीमां ॥ ऊत्राधाविः
 न ॥ हनधननृप ॥ संखनदवा ॥ गमउम
 बालमुदगाधवा ऊं ॥ नाययमंत्र दवा
 ॥ ५ ॥ ॐ ॥ ० ॥

अथानिमागाः ॥ ५३ ॥

२॥ रागा ॥ मंगल ॥ मालवा ॥ दहारागवान
 धामकाउसदान ॥ ५ ॥ वेद्यथापथः
 नागनागासहिजन ॥ पूजाः पूजापंथाप
 वातिः रुगा ॥ १ ॥ मध्याह्नखनदः
 कोलाकनूना ॥ गात्राः किमथसनातः
 रुगाः ॥ २ ॥ द्वादसमिगथनाममृष्टव
 नरागासहिजन ॥ उपनिर्धः सहिगसः
 नातः रुगाः ॥ ३ ॥ खड्गमिस्वचनः इग
 मिनासन ॥ पापदकः दूककिनक्षनः रु
 गावाः ॥ ४ ॥ पङ्कमालः शोभागासहि
 जन ॥ प्रदक्षिणाः गात्रवा नातः रुगावाः
 ॥ ५ ॥ रुगथथापनपुष्पांलायकामृता
 न ॥ दहनः स्वयंरूपानः रुगा ॥ ६ ॥
 झाकश्रयाविनटिधदककिर्थाह
 लेन ॥ कौटुभ्य २ वृद्धयासनक्षः रुग
 वानधमकाउसदानः ॥ ७ ॥ ८ ॥

॥
 १२५ ॥
 रुगावान ॥

रागा ॥ श्री ॥ गालप्रभा ॥ धनमया स्वाभि
 र्गावाक्ष ॥ १ ॥ रजलपरागानि न विवा
 लया नाञ्ज ॥ ग्यानिम्रयधनलपयवञ्जम्र
 यारग्यक्ष ॥ १ ॥ रागाक्षमनत्रजक्षञ्ज
 दयकाञ्ज ॥ अम्रपुत्रवया नाम इहिना
 क्ष ॥ २ ॥ अहनिनदयकलञ्ज नल
 हिक्षञ्ज ॥ लहिकम्रसिलकाञ्ज अयाः
 नञ्जअरग्यक्ष ॥ ३ ॥ धाययनक्षत्रज्ज
 रजमनकाक्षञ्ज ॥ थगुलिमियाञ्ज र
 जलपरागवान ॥ ४ ॥ द्विदासयामः
 वमइ द्विपालिविद्वान ॥ अन्धथाय
 स्वञ्जलपुञ्जिकेनाञ्ज ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 रागा ॥ रिप्रास ॥ गालयो ॥ गुनियमः
 त्रिमनात्रथ ॥ ६ ॥ मददासनात्रथम
 त्रिदासिमदालासि ॥ मपुत्रवपुत्रवः

रागा ॥ श्री ॥ गालप्रभा ॥ धनमया स्वाभि
 र्गावाक्ष ॥ १ ॥

गुनियमः ॥ १ ॥

दायनसमाहृदमनदाहिविनमिसहा
 त्रःधुनियः ॥ १ ॥ रुदमखीनक्षबाहाइत्र
 माहियमियहिजानि ॥ मयूतवर्द्धादय
 सत्रस्वराकनियः कदयमक्षमत्रिसानिः
 मधियः मत्रिसनत्रथ ॥ २ ॥ ॐ ॥
 रागा ॥ ऊय ऊमंनि ॥ गालवा ॥ वलाग
 वरुगवाधानमाक्षमा ॥ ध ॥ रथानध्यान
 वरुदाक्षममजिकनसमनि ॥ कुलहि
 समदक्षकनियः यधुजानि ॥ १ ॥ रु
 नेकमहियनिः निपत्रक्षबाहाइत्र ॥ वत्र
 खानपिथूनकनत्रयनिराने ॥ वलाः
 मवुरुगवाधः ॥ २ ॥ ॐ ॥
 रागा ॥ विरुस ॥ गालवा ॥ उग्रसननामत्रा
 जापननार्पकस ॥ दधनदवक्षपननामन
 मरुसः उग्रसः ॥ १ ॥ धनसकात्रदात्राजा
 धुसनिमरुस ॥ गकिन्दविक्रमसाहाः
 निपवत्रकान्यः उग्रसः ॥ २ ॥ ॐ ॥

रवधामव ॥ १३० ॥

॥
 उग्रसनि ॥ १३१ ॥

रत्राग ॥ ऊय ऊमकी ॥ गाल ऊकि ॥
मान चन अनन्या थ अ ऊन नानं ॥
लाल या थ इ ल थ नि सि व या द यानंः
मृ इ गु नि गु ध या व खान ॥ १ ॥ द या
ल ऊ मा या खानि ऊय य न का स ॥ क न
म स थ स ह लः द व व या वि ना सः मृ
इ गु नि गु ध या व खान ॥ २ ॥ ॐ ॥
रत्राग ॥ कला ॥ गाल ऊटि ॥ अन या डि
व न थ थ ह न ना अ ॥ ५ ॥ शु न ऊ ल या
अ थ थ क ऊ इ ल व न थ न ॥ शु षा व न
मा क र प स नि गाल ऊ वा थः अन याः
॥ १ ॥ सि मा स स या अ वानः मृ टि नि
थ डि न ह ल ॥ खा स न अ स न र म इः
वि ख ड मि इ लः अन याः ॥ २ ॥ ना
जा न र ग या कृ षु मि खा थः शु ग न्ध इ

अन चन अनन्या ॥ १ ॥ ॐ ॥ अन या डि ॥ १ ॥ ॐ ॥

या अ वा न ॥ रु व न या वा स २ म इः स्वाः
 ल इ या हू नः अ न या ॥ ३ ॥ या हू शि
 उ अ डि इ याः स म ल या धा त्रां य न इ ॥ हू
 पा द य ग ल २ व लः रा त्रि य ख ना अः अ न
 याः ॥ ४ ॥ हू का क रु द वि त्रै वि त्रै त्रि य
 वि धा मि द स ॥ शी त न वा हा २ इ त्रः त्रि
 य मि सा किः अ न याः ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 रा रा ॥ आ सा व त्रि ॥ गाल रु टि ॥ स मि त्र स
 सि व २ ना म लि य मा ऊ ॥ ६ ॥ आ ऊ हा म
 स्वा मि स र ग द ह्ये पा श ग्या ग क न त्रा म ना म
 वा लि य कं जा य म त्रि मा ऊ ॥ पु मि दि नू त्र
 द ह स्व ग मि न दि शु रु स मि त्रा म ना म स
 धा मा वि ला सः स टि त्र सः ॥ ७ ॥ पु रु डि स
 प द मि लि ॐ ह त्रा प क त्रि क म धा त्र स रु त्रि २
 व य कं थ वा स ॥ शु न द्र वि क म सा हा द व
 गु ध ऊ न दि कं शु रु स मि दि य उप द सः
 स टि त्र स ॥ ८ ॥ ॐ ॥

स मि त्र स ॥ ९ ॥

२ जाग ॥ साल ॥ गाल पुगा ॥ मन का मनादः
 विना न धिगुनया वखानि ॥ ६ ॥ नरुः
 लखुर्क ऊटि ॥ थ ॥ शवा धया न वनि ॥ स्वामि
 रुल हं ऊटानि २ ॥ यो पसूर्याटिः सध का स
 ना ॥ १ ॥ यकि नयाम गिरा नि ॥ दन सध वी
 अरुटि ॥ ह न कि उा हं ऊन धि २ या पलाः
 रुम किः मन का ॥ २ ॥ संसाल याम इगः
 कि ॥ वा न वा न इ ॥ ख नूटि ॥ डाल वा ल हं
 ऊन धि २ म इ कि न क्रु किः मन का ॥ ३ ॥
 पिथि ना नां यन दव ॥ न्या लया क कप
 कि ॥ ख व विल हं ऊटानि २ य न जा ला क
 रु किः सध का मना ॥ ४ ॥ ॐ ॥
 २ जाग ॥ सा न रा ॥ गाल वा ॥ ऊ य प्र रु रु वा वाः
 ध ॥ ख न या ॐ ॥ ख न ॥ कि नू प गु न या व
 खानि नू इ गु नि न स म टि पा ध ना थ म हं
 ॥ १ ॥ अ ना अ वा ना थ स ॥ ना म वा अ

२ मन का मना ॥ १ ॥ ५७ ॥

२ मन का मना ॥ १ ॥ ५७ ॥

२

ऊगादिस्वत्र॥ पत्रउपकात्रमाकभवम
 इगमिःत्रसमठिषाधनाथमह॥ २ ॥
 नो ह्नाडिधमावृद्धिः थूलिसडि विननि॥
 कत्रनामिखाधस्वसेवीआधुमगुनिःत्र
 समनीयाननाथमह॥ ३ ॥ ॐ ॥
 रागा॥ स्वत्रथ॥ नालप्रगा॥ जाॐ वलानिः
 वलानुवनाजिक जाॐ वलानि॥ ४ ॥ कप
 नमंगस्वरेः ससु मसुधात्र॥ वलनदामकीर
 साथलियवलननुवनाजिकः जाॐ व॥ ५ ॥
 कहनरूपटिणीत्रधवाहाइत्र॥ धनूकत्रः
 ससुलियरवलनधजाॐः वलननुवनाजि
 कः दखनमाॐ॥ २ ॥ ॐ ॥

<जागा॥ मालवी॥ ताले॥ अस्मा॥ ॥ यागं वज्रअन्न
 पूर्ण माझ एवदः ह्वइका भुव ० मनि कीमाः लऊ क्षम
 पा ० केन्या पूजा आदि अन्न दानयाना वि ० व ० म
 नि कीमा॥ ॥ ॥ अस्मात् १० गैर सुं लाध ६ स. अ.

॥ १०२ ॥
 ३०६
 हि

रत्रारा ॥ सालशी ॥ मालमरु ॥ दादवंदि
रवाशिः आदि कुमात्रिनिः सृष्टिजनपालि
शिः जयथ कुत्रानि ॥ रवरुय रं किं हि इरा
दिमात्रिनिः नृपमनिवात्तखः पद्मसुखाः
य ॥ ० ॥ ॐ ॥

त्रास ॥ सालशी ॥ माल ॥ मं ॥ दत्रिविधिमूः
खपजनरुजा ॐ रं ला ॥ मानचत्रसपत्रः
मनियदकात्रिः नाखा रुवाशि ॥ १ ॥ स
धुका ॐ नयवधुः श्रीखा सुनमान ॥ श्रीख
क्षपात्रनः हसमूधनः नाथा ॥ २ ॥ ससन
धसियाधसि कियवहृत्रपि ॥ मात्रिनिस्त
रनिष्ठुं रुसत्रपिः नाख ॥ ३ ॥ निरूपतिः
रुगनऊयः रवरुयवाकं ॥ मरुन्यस
वकजानिः नाखसदाक्षः नाखरुवा
शि ॥ ४ ॥ ॐ ॥

दे
शो
रवाशि ॥

१

=

रुवाशि ॥

२

=

रागा॥ मालवी॥ मालगुफरा॥ यत्रगन
ऊधनिःकृतिविकलालयेःत्रिपिकलना
यकरुवरयेदत्रदि॥ नावयमंदोलकृतिः॥
धमययगनरुधिः॥ ॐ नववीद्यधःवन्दी
कृष्णाति॥ ॐ ॥ ० ॥

रागा॥ मात्रसि॥ मालऊमि॥ मातादवि॥
५॥ ऊयंरगुहं कालित्रीरुवंन्यात्राधिःमा
तादवि॥ १ ॥ त्रिधिसिद्धिहलदाताःकी
पुत्राष्टममात्रिधि॥ मृगमनिगमगुकादं
विऊगनऊधनिःमाता॥ २ ॥ खऊखपत्र
जीधुलदम्बनःमृडमालाधानिधि॥ धुल
गुनूकंवल्लोवधिःसिलखप्रपदात्रनिःमा
तादं॥ ३ ॥ सितिकयथकृताधिननलाक
पालिनि॥ सिवसकिमूलध्वनिनृपवन
दाताःमातादवि॥ ४ ॥ ॐ ॥

=
एवमगनः॥

=

४

॥ ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

२॥ गारा ॥ मालषी ॥ गालगड ॥ अय २॥ गारागिधि
 निः विराति शुनियेमाताः चरुनदिपालि ॥
 कोटिकोति अशुरसंहारिनी च दीनिः विरा
 टिसुनियेमाताः करुनान ॥ १ ॥ रुद्रस अटि
 न विरः क्रोधकियो अहं कालः गयो भाराशु
 र ॥ रव प्रडीसुलधारिः जरा निचदिनिः विनति
 शुनिये ॥ २ ॥ गारसिल जयमाताः म्वतिः
 देलवसुते जमय कररुय ॥ तेज भव भारग
 वरा जोगा निचदीनिः विनति शु ॥ ३ ॥ से
 वक जानिये देविः जयेपरकासपुभुः शुदि
 शिनास्विय ॥ मनय हो कविनामः निरुद्धिः
 च दीनिः विराति शुनिये ॥ ४ ॥ ॐ ॥
 २॥ गारा ॥ मालषी ॥ मालबी ॥ कालिका उग
 दिस्वति अय २ ॥ ५ ॥ गालस मालमालाः द
 सण कंधुलः हलमक्षिक यावसनिः अयः
 ॥ १ ॥ ॥ रव अ सानिल शसः मिपिकिया कल

॥ १ ॥ ॥ रुद्रस अटि ॥ १ ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ १ ॥ ॥

दाम्भुनरुन कृष्ण ॐ स्वति ॥ रगवनालः
 गानः आशिदिदक मूनः आनदइलपत्रम
 स्वति अयः कालि ॥ २ ॥ मधुकला अमृकि
 रिना अमृशगुनिः अधनिविक नरु यंति ॥
 झाकमधप्रपनिः विद्रुठु रगानिः वनन
 : सत्रधगु ऊ स्वतिः अय ॥ ३ ॥ ॐ ॥

ॐ रगगा ॥ मालणी ॥ माल ऊटि ॥ मरावकि ठद्र
 न्वविनटि कनूधा ॥ ४ ॥ मधुर्वै ॐ नवनन
 अमृ ॐ रवाधुमस्याना अः यादा अऊरागनिदो
 न ॥ ॐ द्वादिवदवराशः मुनिजनपनिसेध
 धुनलपः यालिपलध्यानः रगवटि ॥ ५ ॥
 धुनविशोवधः वदुमदसदिटधः नकाः
 दिऊययाहिकाना अ ॥ ॐ मनि ॐ रत्वस्य
 नराधमि ना अथातः लखलप रगनखः
 ना अः रगवटि ॥ ६ ॥ रललपावो नामध

二八五

निमग्नमत्रकुशलपा॥ खनाअलाहकिः
 मक्षसुखमत्रनः गृष्टिहमासनसिआल
 पादविःरुजल॥ ३ ॥ खविहममून
 गमूनः ऊगकलखलपुरुगवटि॥ व
 त्रक्षसवकस्वहूनकत्रधानः ऊयपका
 समल्लरपगिदविःरुऊ॥ ४ ॥ ॐ ॥

रागा॥ मालषी॥ मालश॥ कालिकाऊ
 यरत्रविहवः कालिकाऊयरत्रवि॥ ह
 त्रष्टिधुनत्रियः देव्यमाहिधिनकाविऊ
 विहमसिनिदविः कालि॥ १ ॥ वदनन
 विससिः हालमक्षिमयदम्बनधुनधानि
 नि॥ महिखविद्यानीनिः सिंहवाहिधिसं
 गाऊगिनिवशीकादविः कालि॥ २ ॥
 सकलनीपकलः आलसवइनः ककि
 गिनिनदीनि॥ कक्षकहनिमयः म

धुधनिनिदेयनासिधी कालिका देविः का
लोका ऊय रैनवि ॥ ३ ॥ स्यत्र धवासा इत्र
सकलः ताऊ सिलामनिशात्रिक ॥ सकल
दाहिनिइत्रिक रंऊ किनिः देविऊराऊय
देविकं देविः कालि ॥ ४ ॥ ॐ ॥
२ गारा ॥ मालधी ॥ मालगा ॥ कत्रना कत्री
य देवि गारव हू स्ववक ऊनिऊराऊऊधनि
॥ ५ ॥ द ॐ न्यविदात्रिनिऊरावमिमंगलका
लिनिऊयवन्दीक ॥ १ ॥ कनकमकनः सि
लत्रनधरवविमससिकत्रिकमाहिनी ॥ सस
कमात्रिधिडीरुवनमंगलः ऊयवन्दीकः
॥ २ ॥ मृगधविलात्रनिः बालमकूदं कन
ऊराऊनं किनि ॥ स्वभ्र स्वयत्रधनि मृगप
मः मंगलकालिः ऊय ॥ ३ ॥ ऊयपत्रकास
धुनः ऊाटियत्रकासरयः कुआगुधगा ॥ ३ ॥
संस्वत्रगधदिनिमः धुरकत्र मंगलकाहिः
ऊयवन्दीक ॥ ४ ॥ ॐ ॥

श्याम॥ मालवी॥ मालवुटि॥ रुयकालि

काश्मीरवाल्मीकिचरितपाणिनीयसंस्कृतसूत्र

ॐ ॥ श्री ॥ अथ वृद्धपायसमाधिसत्रिलया

आमनधूर्तुगुलिसाऊगदिलयात्र ॥ भास

याम कुक्कसत्रः कउनकुलसमाटि

या अलक कथा उत्तः उत्तका ॥ १ ॥ रा

लसदात्रकुलः गजत्र अत्रकुलः दालभा

टि कलहिधने ॥ त्वज्जटवपत्रनः सति

लदवृदवृःधनलपूयका लाहाकिन

अक्षयः कालि ॥ २ ॥ नृगलकटि २ थ

याद्यन्मामिषादिः क्त्वा लपन कुरुमिने

॥ न के विजयात्रः सनुत्रिदं श्रयाः

ॐ रुद्राय नमः ॥

लि ॥ ३ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सम्प्रदायः न्यायार्थकालिसहृदयः ॥ २॥

एकिन्दुयागः सधसुननमधः साउरगा
 किह्निध्वाननत्रयः कालि ॥ ४ ॥ ॐ
 रागा ॥ सालधी ॥ नालकटि ॥ उराकसा
 नाथीगुनपुष्प उराककापुनियालिमिः
 ॥ ५ ॥ दहिनकसात्रिः वामवृष्ठाग्रनिः
 मारुमध्ववित्राजिनि ॥ नागावाहिनि
 रवमध्वानिकलसगुणुसालाध्वानिः
 निःउराक ॥ १ ॥ रवपत्रपाकनः पठव
 उःसिलससकनवित्राजिनि ॥ गुप्तसा
 जीकासंगवित्राजिनिः सुदुसालाध्वान
 निःउरा ॥ २ ॥ बालवाधिनिः रुगकान
 निगुणुनसकलसहाननि ॥ राउक
 ननपनीः चिधिविनविकसकाः सदान
 हागुसदायनिः उराक ॥ ३ ॥ ॐ ॥

॥ १ ॥ ॐ ॥
 उराकसावधी ॥ १८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

एतारा ॥ मालुधनाथी ॥ मालुधने ॥ सा ॥ धमव
पिधाथस्वअजिमुनाथ ॥ ६ ॥ मुराटि
याकिरागिः यायमर्कोमात्राटि ॥ लूकेमधि
दविरुऊनाः साअजिमुनाथ ॥ १ ॥ कामको
धलाहमुराटिः इममगिमुनाटि ॥ मखवनाकि
डीरवधयानाथः साअजि ॥ २ ॥ सायासा
हयापमासः मुविवकिजाल ॥ थकाउः
किअधकलयाधः साअजि ॥ ३ ॥ वत्रध
मत्रधविउः कनूनाक्यागिउ ॥ आकम
याधथनघनाथः साअजि ॥ ४ ॥ ॐ ॥
एतारा ॥ धनाथी ॥ मालुधने ॥ दखात्राटि
हनिइकंमुराथ ॥ ५ ॥ छीऊगांथाथकंम
त्रकिआमहं ॥ जनमरनाखमनदना
त्राः दखा ॥ ६ ॥ छीपत्रनायसलः मात्रनी
माउ ॥ साअरगगिमात्रः यहनधपूत्रः
दखा ॥ ७ ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

रागा॥ रंगानि॥ कालचा॥ का०। धलाय मुन
रंगानि न०। ५॥ नरस० विद्याना०। ५॥
धगुयासितः का०। १॥ ५॥ का०। सचकनः स० =
खरुल ख०। रवस॥ रा०। ध०। न०। मू०। रु०। ल०। ५॥
सया०। का०। स०। का०। २॥ ५॥ धी०। महि०। इ०। सि०। ह०। य० =
का०। स०। क०। मुं०। म०। सा०। रु०। ल०॥ रु०। ग०। न०। स०। उ०। य०। का०। नः॥
या०। य०। मुं०। न०। स०। का०। ३॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥

रागा॥ रंगानि॥ कालचा॥ प०। क०। उ०। च०। न०। नः॥ =
रु०। ग०। न०। रु०। य०। रा०। उ०॥ द०। नि०। क०। रु०। ग०। रु०। उ०। ध०। न०॥
न०। नि०। क०। नः०। नि०। य०। का०। टि०। स०। मा०। ध०॥ १॥ ५॥ ५॥
नि०। च०। न०। न०। रु०। ग०। न०। रु०। य०। रा०। उ०॥ स०। व०। ग०। व०। लि०
नि०। क०। उ०। ध०। न०। न०। नि०। क०। नः०। नि०॥ २॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥

रागा॥ रंगानि॥ कालचा॥ दा०। न०। म०। म०। न०। गी० =
च०। न०। ध०। म०। दा०। न०॥ ५॥ ५॥ य०। न०। २०। सा०। रु०। ग०। न०। रु०
रु०। ध०। ह०। दा०। न०॥ १॥ ५॥ ५॥ व०। उ०। धि०। म०। न०। टि०। च०। उ०
रु०। ग०। प०। रु०॥ व०। उ०। रु०। ग०। न०। स०। २०। न०। उ०। न०। च०। दि०। प०। रु०॥ २॥

१॥ गंगा ॥ मालधनाधी ॥ माललं ॥ सकिरा
 वकननकाटि नृपसाऊरुधनदिबगाननि
 ॥ ५ ॥ नसिकवयलकटि नृदियाःवनः
 धनकविवासह ॥ दवदंथः दधुदगा
 दिसिवरावनाः दिव ॥ १ ॥ नमलकम
 लपनवीनाऊः नूननवासधीधीवासः
 ह ॥ अयपनकासः अऊवंसिऊागाराव
 नाः दिवगानटि ॥ २ ॥ ॐ ॥

१॥ गंगा ॥ मालधनाधी ॥ मालवा ॥ दकन
 नामयनृपः ऊनयनशुगानधनः हका
 नृधामयनृप ॥ ५ ॥ ननसहसुऊऊवद
 नृपधीनयः वालयदुमकनस्वनिथ ॥
 सफलायनिगाऊनाजा दहीहोवाम ॥
 नृनियनृपसहायः हका ॥ १ ॥ हस
 नृपगंगयः पययाधिधीमावीनामनी
 कंधुलनहने ॥ ॐ ॥ हससात्रमैसुख

—

॥ नमो भगवते ॥

स्त्रागा॥ धनाधी॥ गालकटि॥ दधुदासामं
 दित्तदं दिव हस्त॥ ५॥ नित्रियायथं ००००
 धनानिलगा॥ नंदननं वादिया॥ १॥ यदि
 थाहाहाटि तामः हमात्रियायत्रिया॥ नं
 ननकाथवधायः सु॥ २॥ नंदनदं दिव नः
 वरुगसधदत्र दिव॥ आराउसासागाथा
 नः सु॥ ३॥ आउसुदासासनका निवेथ
 ॥ यउदि सवउनदत्रायाः सु॥ ४॥ सनदा
 सकपूरकुमात्रिदनसक॥ गदि वनिः
 हाऊकियात्रः सु॥ ५॥ ०००० ॥
 स्त्रागा॥ रगानि॥ गालका॥ नानाथधस्थ
 नसाधमा॥ ५॥ वधुदवनचध-कंस
 निखधुन॥ सुदत्रिसनाहननमा २५
 त्रि २ना॥ १॥ गत्रुदवाहधदत्रिगवपि
 ननयात्रिनि॥ धीदामादननमा २५
 ॥ २॥ साहागिनिधात्रिनिः गवकुलगा

नन॥ पनमपनखननमा२हनि२॥ ३॥ क
हयगूरुहनिवयकुंथनायक लोभना
थननमा२हनि२॥ ४॥ ॐ ॥

रागा॥ राउनि॥ गालवा॥ गानटिहमनिरा
उधयाय॥ ५॥ ऊराकसधृष्ट्याकभवः
मइकिविधानं॥ पनमपूठसकसरावत
इहिकःगा॥ १॥ झाकस्रयागनसधकु
मायाउजिपनिया॥ किचननसवासवि
उऊनमसदाधःगा॥ २॥ ॐ ॥

रागा॥ राउनि॥ गाललं॥ ऊमनस्वनः
नयाहूनउधन॥ ५॥ कनूदिदिनख
ऊऊगकसंसाखस॥ रागिऊधसिः
सयाहूनविवातःऊम॥ १॥ झाकस्र
किदासधकुंमायाउजिसदान॥ नसन
उवासविउदियालियाकसःऊमनः
खनधयाहूनउधन॥ २॥ ॐ ॥

॥ १० ॥
॥ गानटिहमनिरा ॥
॥ ११ ॥
॥ ऊमनस्वनः ॥
॥ १२ ॥

रत्नागा ॥ गउनि ॥ नालवा ॥ श्रीरुगवाक्ष

मनसा २ ॥ ॐ ॥ मध्यइउं ॥ लससिंदवा

हन ॥ श्रीवैलावधमनसा २वधः श्रीरुगः

वानमनसा २ ॥ १ ॥ पूर्वइउं ॥ लसः हवि

वाहध ॥ श्रीगुकात्यमनिनसा २वधः

श्रीरुग ॥ २ ॥ दक्षिणइउं ॥ लसः गुगंगा

वाहन ॥ श्रीगुलसंरुवधसा २वधः श्री

रुगवा ॥ ३ ॥ पश्चिमइउं ॥ लसः नय

नवाहन ॥ श्रीगुमिनारुवनसा २वधः

श्रीरुग ॥ ४ ॥ उरुत्रइउं ॥ लसः गानुड

वाहन ॥ श्रीगुसाद्यसिधिनसा २वधः

श्रीरुग ॥ ५ ॥ कदयरुधानिगुनिः न

नटिऊगाउं ॥ मंलाकनाथकनसा २

वधः श्रीरुगवानमनसा २ ॥ ३ ॥ ॐ ॥

१ नाराग ॥ धनाशी ॥ नालप्रना ॥ गथा कदियः
 क म्ना नटि जाग्य ॥ ५ ॥ ऊहा म २ क रग
 नि गुमात्र ॥ वन दप्यं क ऊ ध्वा न गुमात्रा
 न १ स न द गुमात्रः शु म न ना या य ॥ न
 ०० स म्ना न नि ह्नु कि न्ना ग्य ॥ २ ॥ ना
 ल मि दं ग दः ख ऊ नि व जा ३ ॥ क स व
 मा ध व ह्नु नि गु द ग म ३ ॥ ३ ॥ ०० ॥
 १ नाराग ॥ माला धनाशी ॥ नालर्न ॥ का य
 वा क वि रु मि लि क न न म्ना न निः द मा
 ला क ना थ ॥ ५ ॥ व द्द क नि न ऊ नृ प
 वा धि ग्धा न स लि ल ॥ व न द धा नि क
 म ल पा धि क नृ द म यः न मा ला क ना
 थ ॥ ६ ॥ इ ख शु ख स म्द नः सर्व ला
 क न त्रि य ॥ स व पा प इ न क त्रि यः पं
 न्य व न दः न मा ला क ॥ २ ॥ ०० ॥

१ गथा कदिय ॥ १३ ॥

१ का य वा क ॥ १४ ॥

महं यहा जु बाले

(राग धनश्री ॥ ताल जति ॥)

श्रीअन्नपूर्णा विश्वशान्ति यात्राव विज्याक ॥ ३ ॥
विश्वशान्ति ज्वीमा धैरु कामनानं भावयाना ॥
लक्ष्मणं कन्यापूजा अन्नदान पाठयाना ॥ वि० ॥ १ ॥
दोलद्विव न्हेन्यासाल भाद्रशुक्ल शनिअष्टमी ॥
नेपालया छत्रपति श्रीमहेन्द्र वीर देव ॥ वि० ॥ २ ॥
लहाकलया पापदुःख फलकाव विधेमान ॥
विश्वयागु आन्तिकुना भवशान्ति जुयमान वि०

श्री होम उपाध्यायस्य चरित्रम्

राग ॥ धनाश्री ॥ ताल ॥

॥ होदे श्री ली वो द र

के आरति या य ॥ १ ॥ होदे का पुउन सरिल या वा

हो न ति दुं ग स्य ॥ होदे जगत स सिद्धी वि स्य

विज्या क ल द ल पाल ॥ श्री रे के ॥ २ ॥ होदे ने

पाल या छ त्र पति श्री श्री भु वन विरम होदे लू

क ल न लू स्य त या दो न था स ॥ दो मा या नू ॥ श्री रे ॥ २ ॥

राग ॥ धनाश्री ॥ आदि बुद्ध नाम का से आरति या य ॥

नमो बुद्ध नाम का स्य आरती या ॥ १ ॥ मा हारं धरा ज प

त्र महा सत्त्व नाम दनः परया त उपकार वेल ॥ होदे

रसन सित लवना जंगल कल सथ्य न २ व्याधि नीया

मा ल क द रचना ॥ आदिः ॥ १ ॥ उधार या य मन मा नो द

क त्व ल तो वः थ व गु जि व द न विलः ॥ सि देः धे दे २ ध का धा

ल व ला वि णु म ह स्वर २ आ का स न स्वां वा गा का हल

॥ आदिः ॥ २ ॥ भु वन स म दु जु ल क रु ना या ध नि जु लः

जय नमो बुद्ध देव धाल ॥ होदे अज्ञानि न ल्का स्य त या वि

न ति स द या नि वः कर जो रि म ह शु वि न तिः आदि बु

द्ध ॥ ३ ॥

॥

आगावसें

१. कवक नृणासय

२. नृणासखिगु

३. सनक्षसगना

४. धासखिका

५. सससनः रस

६. काशनाडाणीकि

७. स्यासंभन

८. २साधव

९. नृणाससंविन

१०. हगुधसिकुल

आगावसें

१. २कानिर्

२. सिद्धिदातागान

३. सिद्धिनिर्मायः वि

४. सिद्धिचसंरुस

५. सिद्धिचसिकि

६. सिद्धिचसंरुस

७. सिद्धिचसंरुस

८. सिद्धिचसंरुस

९. सिद्धिचसंरुस

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

रत्नाग॥ वस्त्रं॥ गालवामां॥ ऊयकनूध
मय०० सात्रः सत्रधवत्रन॥ मच्छिदत्र
साथयुः संसालसंशस्यधनि॥ तथका
जास्वलजनससधदनाडा॥ ऊयंऊयः
विनंविष्ठात्रायन॥ ० ॥ ॐ ॥

रत्नाग॥ वस्त्रं॥ गालवामां॥ नूयासस्त्रिगुप
कधहि तया नास्वय॥ ५॥ श्रीपंचमि
यादडासत्रस्वमिमाश॥ हलविलडाः
ससंनरलाद्याथाद्यासलत्रः नूयासः
स्त्रि॥ १॥ नाक्षलायात्वाकस्वाधः विय
स्वप्नयाग॥ सप्त्रस्वमस्वधडाः ३००
निथ्यं दनत्रः नूया॥ २॥ लालस्वाल
जाडावसन्तः घास मालजाल॥ स्वल २
सकलसंशः त्रिगुजामृटिधहिलत्रः
नूया॥ ३॥ हवलशुस्वत्रशलः त्रिगु
कंधाल॥ ककिलयास्वत्रदनाः म

॥
१॥
ऊयकनूध॥

॥
१॥
स्त्रिगु॥

त्रमसंघालनः नृया ॥ ४ ॥ गुवालसिजा
 स्वयः सक्षम इति ॥ सदस्यममममिजिह
 यः वसं गवद्यालनः नृया ॥ ५ ॥ सकषु
 स्वत्रशलः मंगललयध ॥ नवद्विकिम
 इजिकः कोरुधयाष्यालनः नृया ॥ ६ ॥
 धित्रऊनियेयाउकिधः वसं गद्वलिस ॥ द
 सकालाधनसक्षः विनमिधस्वअत्रः नृ
 या ॥ ७ ॥ श्रीरूपमन्दमल्लः धनससदान
 ॥ रुवलयागुधउसः ऊगकउधाननः नृ
 यासखिगुपकध ॥ ८ ॥ ॐ ॥
 रनागवर्त ॥ कालन ॥ सखिजिमक्षन
 सकनान्मनिनन्दइयाकाय ॥ ९ ॥ रुव
 धसमइउकिधुंधनमृइगुटिसासन
 रुस्वयधमगाक ॥ मन्येगकनासहः
 अः नसक्षहयकंसउ ॥ विपधिअल

१
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०

सि कल जा क म र्ग क्षा स खिः मन ॥ १ ॥

ल सि कल सि खा वानः कि ला उ खि ॐ उ

धः सा ह ल पु उ ॐ नि थं द न ॥ थि त्र न म

वा र्ग धा धः नू ग ल स उ र्ग ध्वा न ॥ वा य सा

लि उ ध का र्ग धा क म र्ग क्षा स खिः मन ध

॥ २ ॥ उ या उ डि वा ना था सः थ स क ल

सू द सः कृ ग क ल स्वा ध न स्वा क ॥ थ थि

ध मि र्ग न दा य रा ग य या ह ल न ला य ॥

कि उ धा कृ ग ल उ न र ग क म र्ग ना स खिः

म न ॥ ३ ॥ र्ग न म या ह ल र लः क र मः

स मि सा र्ग उः ह त्रि र्ग या स व क न क्का क

॥ सा गु लि ला क या ध निः पु त्र ख द क स

म धि ॥ पुं न या ह ल ध ला क म र्ग ना स

खिः म ध न ॥ ४ ॥ ॐ ॥

२॥ आगा ॥ वसं न ॥ ताल दो ॥ सा आसखि
 कानुश्यात्रय ॥ १ ॥ चंपा स्वा न्या उन्न
 वाद्यनः दो लांगिनिपत्रवन ॥ संख कं
 दं स्वह्ला ह्ला यः नृमिपूठ लावकनः स्व
 स ॥ १ ॥ यत्र वया स्वा हल सनः दं आल
 श्या ॥ लपलिया नृटि स्वराः डी हः
 वधधिकनः स्व ॥ २ ॥ धात्र जनपुनिस
 नत्रः दं आल उला ॥ धूलक मृदं गथ

सा आसखि ॥

३ ॥ सः नसधम हलनः ष्व ॥ ३ ॥ गात्र द्रवा
 म्रया वासत्रः हारुध मिना ॥ सा स
 धा सुस्वयमगभवः कानुश्यात्रयनः
 सा ॥ ४ ॥ झाक म्र ताल हल सनः ॥
 सया स उमध ॥ द्विपालि निपा यावक स
 विडा किन वासत्रः सा ॥ ५ ॥ ॐ

२॥ ग्रागवसंन ॥ गालगुरुग्रा ॥ हिम
 सधसहाविजः वादाहसकधात्रे ॥
 धूसासधमात्रिनिः गानदरु ॐः इ
 र्पमीद विमधपूत ॥ १ ॥ ॐ ॥
 २॥ ग्रागवसंन ॥ गालपूत ॥ काअग्राः
 काधीहिमसधः विअवत्रदान ॥ २ ॥
 कत्रनसंद ॐवधः वासहलध्ववध
 दारवना अडिमधसगुविमाध ॥ गधि
 नक्रविधनाधधलकलउवात्रधः ॥
 धधाजिउ ॐनिसराडाः का ॥ १ ॥ वः
 लासधहाउमनइवयाव्वलमनि
 डाः ॐ ॐ कायागालरुपग्राध ॥ ऊन
 मक्रपूजाऊधः सकत्रामायाधकनः
 ननैमहकथाऊसगुधः का ॥ २ ॥
 टयदासणुयाक नयवक्रसयाठ

=
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

थउकजमसमरिनाउ ॥ ७ ॥ दयानि
 दयाधः हुनरवमनइऊधनयाधमः
 हुनमार्धदाधः का ॥ ३ ॥ नयध्याहा
 यायमनः दयाउहुयायजिधः थउक
 नमसमदयाउ ॥ दयकहुहुलसाध
 धनसहुमधकसः नयाधमदहनमार्ध
 दानः का ॥ ४ ॥ परमनस्वयाजिनः दः
 यकहुहुलपाउः दयाधजिइयाइ
 गुनिन ॥ वेनिजालकनसः हुललपाइ
 यामधः नइथनिऊकधउपायः का ॥ ५ ॥
 ॥ यथयाधऊकनधमजिउदाका
 यजिधः लसवडायासथदध ॥ ल
 सहिहुदिलमनः उधनिलालथद
 नः सतिलजिदिदिदिदियानिनः का
 ॥ ६ ॥ एवयोम्यायऊनमसः ननग
 यिकलपानः सपनसखनाथजि

मध॥ हननकुशमवाधः कुमाखण्ड
 मृगिगुहः थसंसाहमृथिप्रसियाः
 डाःकाडी॥ १ ॥ जगन्संसाहः शुभ
 लयाशीरिमसधः थजगत्समइकिवी
 धानं॥ झाकम्प्राविधमिसः निरुदि
 नकिवनननलकृपाकनूधदया
 नःकाडीगाजा॥ ८ ॥ ८७० ॥
 रारा॥ वसं॥ गालवा॥ स्यामशुंध
 प्रवसंनवलसः माधाडाभ्रिगलडा
 न॥ ६ ॥ विद्यावधसवाहनथनाडा
 ॥ कननगालनः मृदंगधलकदापा
 रिवनधरागाः ऊनननमत्राः दात्राव
 नरवकुनिः माधाडा॥ १ ॥ स्वपि कदा
 पनिकुलमहाडा॥ वंवलवसाहलन
 पूयाडा॥ उपंगकनधनककुलिः सि
 हसंखरुनिपागमवाधुनिः माधा॥

=
 ८
 ॥ वंवलवसाहलन
 ॥

॥ २ ॥ वृत्तावन्द्यमवित्रहोलाउ ॥
 थि२ऊनरयाउत्रःकिंलाउःहोला
 उःहोयकाकाङ्कइत्रसधविष्ठाक
 झाकक्रयाग्रासाङ्कोयालिःत्राधउ
 त्रिकलउन ॥ ३ ॥ ॐ ॥

रागा॥ वसंर॥ गालप॥ हंरमाधवः
 विषमगनगलयायाल॥ ४ ॥ सिलस
 मकुकलयावदामालाहाकरवायाःम
 थुत्रासविष्ठाकरुंनया॥ कंसत्रिया
 त्रैगजाउशीखन्दहास्वाकक्रयासद
 कलाप्ररुंकिंकायाःपित्रटिनन
 सालःहं२॥ १ ॥ नकजाउऊउरुह
 याःसलदंनककिलयाःथथिधवः
 लसजिवाया॥ वसपुलसलसलना
 योहयाथधनाऊयोःहोयकिं
 सिनेहंमगयाःपित्रटि ॥ २ ॥ व

थूगुलिवित्तदक्षकालगपत्रानयाना
 ह्यथ्यधित्तकयाधःत्रासयानामकास
 शानाःनगा ॥ ३ ॥ क्काकक्रनूपत्राधिन
 शानाकिष्टक्रयागासालखलपिशवक
 क्षनाक्ष ॥ कयपत्रकासधनिःनिपकिद
 कससनि ॥ ककक्षुनक उकिष्टधनक
 धपटिःमृगालसं ॥ ४ ॥ ॐ ॥
 रत्रागा ॥ वसंर ॥ नालवा ॥ हागुधमि
 कलकानःहागुधमि कल ॥ सासगवषा
 पनिसक्षःहालापमवाडाकानःनसन
 हिन्द्यावक्षसहागुनमि कल ॥ ५ ॥ मुवि
 नमृत्रगजालःपासलक्षहाल ॥ धि २
 मससियाडापासाक्रमसिलकानन
 सक्षविन्द्यावनस ॥ २ ॥ श्रीखद्युर्कस
 त्रिबुडःमृगत्रक्ष ॥ चिकनमप

वि
 हागुधमि
 कल
 ॥ १० ॥

खल्लिस्तःपलस्वाधदालकानःनसन्निवि
द्यो॥ ३॥ वाऊधयासवदधुीखवनक
॥ झाकफ्रकनूधाबासः०वयरुमिर्कल
काङ्कःनसधविद्याव॥ ४॥ ॐ ॥
रात्र॥ वसन्त॥ गालप॥ हयकानूशः
कौरूनडिऊसूधायापान॥ ५॥ सधया
हगासनअयाथनकात्रऊधःपनमन
वि०० अनिराल॥ इपकककालकिअह
कयायसकडिऊनःअयमाधिथनवात्रवा
त्रःवीधकिडनमाल॥ ६॥ सहनयाया
कस.गुनगाअयूलसःलाऊनमधसस
छाला॥ सकसनगुवला०.लवाकस
गमसाला०ःगुलइलसरिधउवात्रःवा
धकि॥ ७॥ यत्रयाकित्रियावन.खयम
ककअत्रनःदिध२धुगुलिबदाल॥

॥ ११ ॥
रुपविनिद्रु॥

सा रुल उनेथासु मवमडु म उासल
 मध्यायनिप्रसमधानः विन ॥ ३ ॥
 रास्वत्रमल्लयाववदशठना उाठनः
 कालकिउमधयाविकाल ॥ तसयाव
 मसउासशु उातिरसमयसवसयाउा
 तसधगवपालः विनकि ॥ ४ ॥ ॐ ॥

ॐ नागा ॥ वसन्त ॥ बालष ॥ सिधियागा
 ॐ धापकि सिधिरुलविउा ॥ ५ ॥ तिलस
 मगुकलयाः वन्दुकलाकिध असत्रप
 मदकसमान ॥ पत्रगुऊयमालाः दन
 धस्वलाकः सासधगुसायमकिवा
 नः सि ॥ १ ॥ धीगलाहालसकिमामनि
 थुसकयाः हालसमाधलाया उा ॥ ५ ॥
 नयावाधकिमः गसाकिहू मसवासः
 ॐ वसनगुस्वयधमगकः सि ॥ २ ॥ ॐ

क्षयमिं विद्यानाऽः सैतालधरुगुलप
 सिधिरुलराउरयाध॥ सैतालयालअ
 सिसमाहयानपकसः सासधरुलवयम
 टिवानःसि॥ ३॥ निषालयाधुपकि
 पुननुदवपनिः सैतालयाधशिउसपनि
 ॥ झाकक्रयाविधकिः ऊमाऊसननपनि
 सैतालउधनयाकपनिःसि॥ ४॥ ॐ
 ॥ नारा॥ वसन्त॥ गालवोमो॥ सिनिधि
 येनाथः नहस्वतः नन्दीहिंदीमधकाः
 ॥ ॐ॥ रुकधयाधुपनिः नसनविद्याः
 क॥ वसंतयात्रिगुलमधस उदास
 ॥ ॐ॥ २६ः ऊयं२कविवननाथः॥ ॐ॥
 ॥ नारा॥ वसन्त॥ गालरा०॥ हसखिवस
 नसरुलथउमधस उदास॥ ५॥ सिवा
 लजाउसिसासः वसदनाअलयासः
 सासधमदलकिरसास॥ निहुलकिउ

=
 १७
 १७
 १७

=
 १४

=
 १४

१४

लबासः याका न किं लबासः खविवाल
 उवा लमिखासः हसरिब ॥ १ ॥ स्वसकया
 वटु सासः रुस अलयनकासः सहिसंजी
 मवेला याथास ॥ खवनक किल होले
 नस रुयडि उदासः दना रुयम धयान
 नासः हसरिब ॥ २ ॥ उासदिल सथू नासः
 किमिस ल्यास मिसा नः लम धा उास्वयः
 किह नास ॥ थदास इउमू धासः उा ना
 उा द्वाय ०० नासदि ०० उा मू धास नासः ह
 सरिब ॥ ३ ॥ मखे नय मवित्वासः सि उमः
 लयपालि शियासः पुन रुय उा ख द्दुन ना
 सा ॥ धास बा उा उास मया इख द के या
 अनासः झा क म गवपाल रुया दासः ह
 सरिब वेत न स रुल ॥ ४ ॥ ॐ ॥

रागा॥ वसन्त॥ माला॥ नूयासयमि
 किसधविनकिया नास्वय॥ ६॥ गुरु
 टिइलमाथहिः वोव्याइखस्वयमसना
 निःसंगमसहानइलथनि॥ पिनाधाय
 गथिनविनः सत्वसंमालवसकल॥ थः
 निकामदवयावलधकथथुननूया
 प्रकहइः नूयाहा॥ १॥ स्वभ्रगअकह
 सधः वव्याइखहं धाअनः कपसिया
 गयानअन॥ मिडिथिधुधनिदयः
 मडअलखधस॥ मिडिस्वभ्रगानूप
 खनिः अगमसादिनिकहइः नूयाहा
 ॥ २॥ कायप्ररुमाअकमानः गऊहाः
 गमालनाः कायनित्रंइधवनमवि
 कायसाल॥ अपुनखधुधनदयम
 उऊलखधस॥ मिडिस्वभ्रनः ध्रु
 धायः अकभ्रगाखअनकहइः नू

॥
 १५
 ॥

आह ॥ ३ ॥ नानाकं नानाधर्मप्रसङ्गः
 धर्माः आत्मासः नानाधर्मप्रसङ्गः
 विद्याक ॥ विद्यामादिनालधर्मः ज्ञेय
 मादिसात्रगमधर्म ॥ निर्देगवद्द्विध
 सा नाटकसन्निभकंदर्शः नूयाहाय
 ॥ ४ ॥ तद्विप्रसविशद्विधः नूयाहाय
 लाकडाः ज्ञेयनिखनाडात्रसंदडा ॥ थ
 थवा नाधर्मजिलदयः आसपात्या
 सशन ॥ ल्वावाकायकः धर्मपूषा निः
 धर्मयथाथननकंदर्शः नूयाहा ॥ ५ ॥
 वाधिवृद्धसिमायावसलयादिल
 आसः धर्मनिर्गुणवनेसविद्यायमा
 ल ॥ नूपुनवर्षधर्मिदयः आस आल
 उरुध ॥ धर्मिदयः उरुधराथ आना
 नथनकंदर्शः नूयाहाय ॥ ६ ॥ आ
 नथयायधर्मिदयः नूयाहाय ॥ ७ ॥ आ

पुलिनयायुःशाननाया ॥ गार्थिनयुःशाननाया

थनिनिधिनयुःशाननाया ॥ शाननाया

निलसविस्वदयुःशाननाया कंदःनया

हा ॥ १ ॥ हाय २ ससिया रवःसयथासम

रवनाथःथथरवयकाक ०० शाननाया

॥ मरु २ सहसुविधाकिःमिसाजाटि साति

मृटि ॥ विशानयुःद्रायायाथपत्रसेन

रुयमालकंदःनयाहा ॥ ८ ॥ विक्ष

किधकुमाकसःसाकेसिंदमहिमनदि

वनययाश ॥ शविष्ठाक ॥ थिथिसुख ००

सस्येसगानदरुलयाथधि ॥ शानपुजा

याहायाहलनःसार्गानाशयुःकंदः

नया ॥ २ ॥ शाननयुःगुरुपुत्रःथयालि

सकावयाकनेःविकारकसमस्तखकने

॥ नृपकिंशोरुयवित्रशोभाकंप्रकासमलः

॥ धयाथासःगुरुसहस्रीधरुलखशान

=

ॐ

=

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

२॥ ज्ञाना॥ वसन्त॥ नालगा ७॥ हंसरिव वसन्त
 यात्रिगुरुलसधस उताप॥ १॥ सधधस्वध
 त्रिपिधः सडगुधसवदिनः जायलयपुन
 गारुमिध॥ केकिलपंगालदालः सधस उ
 कापदनः थिन्नधसवानविरुसधः हंसरिवः
 ॥ १॥ सिवालजाडसिमासः धानात्रंगत्वा
 धवासः दसवानस्वकानसिमास॥ थस्वा
 नमावासधनः रुवलविलापशसः उहु
 उसरुलवधसः हंसरिव॥ २॥ द्दुदुयाः
 दिनयावासः द्वाडाडाथवधसः तटिन
 सरुलडावलस॥ गथिधस्रुनखसः
 कामगुडाधिप्रसः रुगकिनयानाडाप्र
 मासाः हंसरिव॥ ३॥ पुनवयाधत्रमधः
 लानाकिनदिपत्रानः रुत्रमसाहलशडा
 थनि॥ द्वायमद्रुथवधधः डाप्रयागुः

हंसरिव वसन्त
 ॥ १॥

हास्वयानः गल्लहृयाजिह्वस्वनादः

हस्वस्विवसन् ॥ ४ ॥ ८० ॥

२००॥ वसन् ॥ गल्लहृ ॥ मधनमरुनादि

धुंध्रप्रपूर्वमधि ॥ ५ ॥ डिपनिमवलाजाः

किमसियादिपालिपदि ॥ दत्रसधविडाः

रुकिमागुलिलो कयाधः मधनमरु ॥ ६ ॥

किडिडिडियाहाडाडिक्कं नूधमडलाडिक्कं

गुसहाडास्वाहा उकिडलयापकुथनिः मध

न ॥ ७ ॥ गार्थधधदिनहनगाहाडाभगानवा

न ॥ गार्थधधयमानहनः रुगुगुकिमालडा

नः मनध ॥ ८ ॥ कित्रियाविपकिमृटिः विप

मन्धरुधूपकि ॥ झाकक्रयाधविडाकिः लख

लपिपापिपनिः मधन ॥ ९ ॥ ८० ॥

२००॥ वसन् ॥ गल्लहृ ॥ साडापासाडासया

गुरुधपलेखानडधमडल ॥ १० ॥ पूर्वः

२००॥ वसन् ॥ गल्लहृ ॥ साडापासाडासया ॥ १० ॥

लिय्यापेकृक्षसत्रः पुष्पदात्रयाल ॥ मृगना
 सत्रक्षचेलावकः सिंहसाहाइनत्रः स्वउपा
 सा ॥ १ ॥ हनू नूनहृदलक्षत्रः वाहनथ
 क्षा ॥ ३ ॥ वेसात्रिनरात्रसः शुभंमलकुल
 त्रः स्वउपासा ॥ २ ॥ प्रकियालयावः साक
 सिंहसुनि ॥ दयालयादुपयनिः शुभप्र
 विक्रमत्रः हारदस्वउ ॥ ३ ॥ ॐ ॥
 रत्रा ॥ वसन्त ॥ कालदा ॥ नयाप्रियमः
 दत्रिनाशिकपावनसअन ॥ ४ ॥ सिविः
 त्राजायाकायक्षमविस्वकन ॥ सायाद
 ककालनाअः कथावक्षसअक्षत्रः नयाः
 ॥ १ ॥ थअपुत्राऊकुमानः पुत्राकृष्टः
 डिदि ॥ साहात्रानिसहिदक्षः कथावन
 सअनत्रः नया ॥ २ ॥ दक्षलोकविन
 दक्षः स्वामलिसअन ॥ दउलथदर्व
 विद्याः लोकवपययाकनः न ॥ ३ ॥

दे
 न
 ॥
 ॥
 ॥

त्रयसंज्ञा कल्पयाम्याः सलदाध्याय ॥ मि
 गावध्यामिगाड्याः त्रयद्वारकं यननः
 न्या ॥ ४ ॥ त्रयदाध्यायधनः पुरुदालः
 कंमिंदिय ॥ न्यात्राक्षिगाऊकुमात्रिः प
 र्क्षुसालारथननः न्या ॥ ५ ॥ स्वोदहलव
 न्यास्वराः स्वउत्रानिक्किलहल ॥
 रुयनमावद्ध्यागुः रुयनपयायनः न
 यापियमन्दत्रिगानि ॥ ७ ॥ ॐ
 रारा ॥ विहारा ॥ ताललं ॥ प्रियचला ॐ स्व
 त्रिरुक्षकन ॥ पदमपदात्रयकं सक्षकनो
 ला ॐ नदिनदियसनिमालः प्रियचला
 ॥ ९ ॥ ननपटि ला ॐ ननुनदुविक्रमः
 साह ॥ नदिनदियसनिमालः प्रियचला
 ली ॐ स्वत्रिरुक्षकन ॥ २ ॥ ॐ

=
 ०
 २
 =
 ३०
 ३०
 ३०
 ३०

जागतिपास॥ गालुडगा॥ ह॥ सा॥ नवाननामि
कोमिमान॥

आग॥ विरास॥ गालुडगा॥ प्रहममि
पाधनाथले छत्रिययाहायहाय॥ १
श्रवदमकेसेपाननरधत्रियहाय॥ २
॥ प्रह॥ १ ॥ मेमनात्रि ग्राहकेपियात्रि
काहापाउ॥ श्रवदमपाननाथन२का
हादनसधापाउ॥ प्रह॥ २ ॥ माहात्रा
जामनिवउकप्रधमवकनाजा॥ मा
यासवछोटिकेमे२०००दिधेग्राह
केसनिल॥ प्रह॥ ३ ॥ ० ॥ ०

नागगु॥ गालु॥ लोकनाथयाहूनधान
॥ धर॥ अग्रनयाउनरुस्यअमृगाह
सिलुगअहमेवनदानविम्य॥ ॥ अनाथ
याथरुस्यअमाद्यपासजाहआसान
डायाजिअनाथ॥ लोक॥ १ ॥

कनकमङ्गुकसकनककैगकिस्वा
नकननसकनकैल ॥ कननामय
नैकननानिधनैकननानैस्वडा जि
ननानै ॥ २ ॥ लोक ॥ मनिमया नि
लहिलमनउनेनैगधि कःमनिम
याहालनैगियाडा ॥ मकिदमना
धनैमनयास्वरूपमनग्रधपुनया
यमाल ॥ लोक ॥ ३ ॥ संधनसुलकु
नसंडुगुगस्वगयमानसुरवावगिरवन
यानाथ ॥ स्वडापुत्रडावैलससुदि
स्मिगयाडासुरवावगिवानायनमाल
लोकनाथ ॥ ४ ॥ नसनरुगस्वन
लालेनापुनसमथसदनाडाविष्वा
क ॥ नसगजकमनसालयागुध
निसुत्रेडविक्रमसाहादवलाकना
थ ॥ ५ ॥ ० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१ कनमसंवांस
 २ हनिशगथमय
 ३ निजयनजा ॐ
 ४ यसिनिहानेनि
 ५ रावधतकलपे
 ६ णुंधनिमककन
 ७ कनिययानि
 ८ दलैवादननाऊ
 ९ कलिविन
 १० नैलाकेनाथमं. स्वा
 ११ नमा २८ विष्णो मंन
 १२ णुंधनिठनाउम
 १३ उधवविडाकिर
 १४ यनाथसर
 १५ देव २५ नसा
 १६ यनमा. हानेनि

१

भगवान् योनाम

२

लो कयानाथ-दो मां

३

कवीलास-ग्वारा

४

की ताजी तन मारो

५

नु यो रानी इस्वरीया

६

सा के सीं हरज कुमार सर्वा

७

प्र मु मे रो स वर्धि सिद्ध

८

९

१०

११

१२

१३

१४

१५

१६

पुत्रो

<त्राग॥ माल॥ उ॥ ॥ नाल॥ लं॥ क॥ न॥ म॥ सं॥ वा॥ स॥ ह॥
 ल॥ गु॥ वि॥ ह॥ ल॥ प॥ माल॥ थ॥ हि॥ अ॥ गि॥ अ॥ य॥ द॥ म॥ क॥
 त्र॥ अ॥ न॥ ॥ ॥ कि॥ अ॥ इ॥ म॥ क॥ स॥ या॥ क॥ २॥ म॥ अ॥ य॥
 सु॥ ल॥ ला॥ वि॥ य॥ माल॥ या॥ क॥ वे॥ ला॥ ह॥ न॥ ॥ शु॥ द॥
 स॥ ह॥ माल॥ अ॥ न॥ ॥ अ॥ गि॥ ॥ १ ॥ वि॥ ह॥ कि॥ ह॥ म॥ स॥
 व॥ ल॥ २॥ ग॥ य॥ त्र॥ अ॥ स॥ क॥ ह॥ कि॥ य॥ ॥ अ॥ गि॥ त्र॥ य॥ क॥ य॥
 अ॥ ॥ शु॥ द॥ स॥ ह॥ माल॥ अ॥ न॥ ॥ अ॥ गि॥ ॥ २ ॥ लो॥ क॥
 धा॥ थ्या॥ ना॥ म॥ का॥ स॥ २॥ क॥ द॥ क॥ स॥ द॥ स॥ सा॥ स॥
 ह॥ य॥ २॥ अ॥ पि॥ या॥ त्रि॥ ॥ शु॥ द॥ स॥ ना॥ माल॥ अ॥ न॥
 अ॥ गि॥ ॥ ३ ॥ अ॥ क॥ म॥ न॥ धा॥ थ॥ अ॥ न॥ ॥ लो॥ क॥
 ना॥ थ॥ या॥ व॥ त्र॥ ह॥ स॥ ॥ थ॥ अ॥ स॥ वा॥ ल॥ ल॥ पा॥ अ॥
 य॥ अ॥ शु॥ र॥ वा॥ व॥ टि॥ थ॥ न॥ क॥ ॥ वि॥ त्र॥ ह॥ वि॥ द॥
 स॥ अ॥ अ॥ न॥ ॥ ४ ॥ ॥ ॥

<त्राग॥ माल॥ उ॥ ॥ नाल॥ ह॥ मा॥ ॥ ह॥ नि॥ २॥ ग॥ थ॥
 क॥ य॥ थ॥ गु॥ लि॥ प॥ माल॥ ॥ ॥ सा॥ अ॥ य॥ अ॥ म॥ ना॥ अ॥
 वा॥ ह॥ म॥ न॥ म॥ ह॥ ग॥ व॥ म॥ ह॥ य॥ नि॥ अ॥ वा॥ ना॥ अ॥ न॥

॥
 १
 ॥ म॥ स॥ सं॥ वा॥ स॥ ॥
 ॥
 २
 ॥ म॥ स॥ सं॥ वा॥ स॥ ॥
 ॥

माता दत्तसदल्ला यगार्थ नया दामाताः हनी
 हनि ॥ १ ॥ रवाल वदुसाथ लिहाय लहल
 मिखा नस्व ०० ॥ डि. ला. ॥ वि. वि. वि. वि.
 महु जि. ध. ॥ से. ल. म. ना. ॥ ह. नि. २ ॥ २ ॥
 मा. टि. मा. नि. क. थ. ना. ॥ न. य. आ. न. य. : ह. ल.
 ध. या. लि. स. हु. ना. ॥ ॥ व. स. ध. र. ०० ॥
 ल. म. धि. ॥ से. ना. ध. : ह. नि. २ ॥ ३ ॥
 क. म. या. प्र. र. र. गा. पा. ल. ॥ ध. न. : स. सा. ल.
 सा. ल. व. र. वा. ध. ॥ क. मि. स. रा. ॥ ॥
 प. ला. ०० ॥ ॥ न. ना. ध. : ह. नि. २ ॥ ४ ॥ ॥
 ॥ ना. गा. र. ग. नि. सा. न. गा. ॥ ॥ काल. प. लि. मा.
 नि. क. य. न. ॥ ०० ॥ व. ला. ला. धि. न. २ ॥
 ॥ ॥ ना. हा. गा. ये. स. ध. न. र. : ह. न. शि. व.
 न. धा. ॥ ॥ १ ॥ ॥ ध. न. व. वि. क. म. सा. ह.
 न. य. गु. ध. ग. ॥ ॥ म. ध. न. स. र. नि. २ ॥ ह. म. ग.
 ह. जा. ये. ॥ २ ॥ ॥

१ निरुद्धा ॥

42

920

आगम ॥ नामकलि ॥ मालकटि ॥ कथयतिनिः
 हानकिधमदविः विष्काकदकिधस्वया
 आत्र ॥ ऊआसधनराशुः स्वआसधधमई
 विष्काकमृषुदूधकि लाआत्रः ऊय ॥ १ ॥
 ऊआसलाकाशुः स्वआसलाटिमैशुः ऊ
 आसउमसिहाशुकाशुत्र ॥ मृटियाहालन
 किमैः गालसमालमालाः सिलसचयुमा
 हूआआत्रः ऊय ॥ २ ॥ लाउधालिकक
 यावनधहगुलियाः ऊआशुः स्वनगपाकन
 न ॥ कटिषुनऊयाशुऊआसक्रयाः स्वगवल
 मिखाकमिथिकनः ऊय ॥ ३ ॥ रुगकिऊ
 धक्रयाः नैऊः हूककिइखदकैठवह
 नकनूधमिखानन ॥ छिपालि-छि य
 सयाः पुनिदमहानाऊ-याहू नऊग
 नउधाननः ऊय ॥ ४ ॥ ॐ ॥

=
 ४
 ॥ आसिहाकि ॥
 ॥ ॐ ॥

२ आरा॥ सा सावनि॥ माला वा॥ लावधारुडल

पवित्रं चिन्मयं नमः ॥ ५६ ॥ गान्धर्वान्नमः

स. ख. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

बोहान॥ प्रसखायाया६। हुनाः नहुकन

ननपुष्पः कृत्तुलसो लावणः लावणः

१॥ निरवापुलेहलबोधःलासकश्रुट

कथान-साहपूजगगुरवनादा॥६॥ श्रीनन
सहस्रहसिर्जननामसिद्धिदायकसहस्र

कशः हानिह नृपसः वयं कस्तकनः
कशः कशः कशः कशः कशः कशः कशः कशः

आत्मन्तःस्वप्न ॥ २ ॥ हृन्कलन्तःस्वप्न ॥

लखन्युसाधुः। अथ कलधनमदथा।

न॥ ह न व न स न दः शु न व न द न मा द नः

नृपाकषाहूनानिदान॥ सावधरुजं

अथ विनाशमिदं न ॥ ३ ॥ ॐ ॥

२ नाग ॥ विहारा ॥ गालपना ॥ शुद्धनिमग्न
 दृष्टविलंभमनयाय ॥ ५ ॥ दृष्टमनपक्ष
 उरुधः खनाडाडिमाहृष्ट ॥ पितृकिर्त्तिया
 नास्व आसि ॐ आनिदाष्टः सुंदरि ॥ १ ॥
 हनयायमनं दृष्टमनपक्ष उरुमान ॥ नाः
 जिह्वयुथीनात्रायष्टः शुद्धनिमग्न दृष्टवि
 लंभयाय ॥ २ ॥ ॐ ॥
 २ नाग ॥ विहारा ॥ गालपना ॥ कनियप्यानिनः
 किन्नसदं ॥ ५ ॥ सृष्ट २ प्राधपियात्रिककृद
 मेकहं ॥ नाककाकृदियकं मनमनिहासः
 कनिय ॥ १ ॥ सिवपूत्रिआसा नृपगुहाग ॥
 ॥ पत्रकृष्टकोहिनहि संगमनिमोथः कनिय
 पियात्रिकिन्नसदं ॥ २ ॥ ॐ ॥

॥ शुद्धनिमग्न ॥ ३ ॥
 ॥ कनियप्यानिनः ॥ १ ॥

१ नाग॥ बलादि॥ मालय॥ हंलंवादनः
 नाग॥ यामनमा॥ ५॥ सोमधसायमाहना
 यापुलसिक॥ सुनरुच्युमाथत्रयधिकः
 हंलं॥ १॥ गऊमिखाबाहाधदननध्वरा
 लाक॥ ज्ञानदनशयाअमृखिकःहं॥ २॥
 ऊनाअऊयमालाःपत्रणुखदराविद्यध
 हननयानाऊःहं॥ ३॥ धंगलाहालसः
 निसामनिमाधिक॥ हिसकयाऊनसमकु
 कःहं॥ ४॥ रुगरऊधमसनसापुध
 याक॥ असधसकयानमगाकःहं॥
 ५॥ असमिद्विवललायराअधानक
 नसधविलणुखलायःहं॥ ७॥
 १ नाग॥ मंगल॥ मालराऊ॥ कलिविन
 किंकनवसुन॥ नितिवीनूकिंकनवधु
 न॥ १॥ नात्रिकगमनमृपनाध्व॥ ना
 धाविनूकिंकनमृपनाध्व॥ २॥ धनूवि

॥ श्री गुरु ॥

॥ कविप्रसाद ॥

नृकि कनमवरावे लङ्क विनृकि कः
 नन्दकूमात्र ॥ ३ ॥ यत्र नापमल्लनियरा
 न ॥ इति कववधपत्रमानि ॥ ४ ॥ ॐ ॥
 रागा ॥ नाऊ विऊय ॥ गाल ॥ डोमा ॥ हादः
 नैलाकनाथ श्रीमूनपूषा ॥ खवेरुवननपुका
 से ॥ कलसत्रूपि ॥ द वि ऊ धानि ॥ सकाप्रानि
 उध्मत्रिणि ॥ समइः खनाननि ॥ दहात्र
 दुवर्ग हलदागा ॥ हादः ॥ श्री आगमवन
 सनधवत्रन ॥ ॐ ॥ ६ ॥ ॐ ॥
 रागा ॥ नाऊ विऊय ॥ गाल ॥ डोमा ॥ हा
 दः ॥ नमा ॥ द वि मि निर्मूनपूषा ॥ ध ॥ लैः
 ऊगाकमादिनिमाका ॥ मिनिर्मे हापूषा ॥ पु ॥
 वदुकेटिक ऊथल ॥ २ ॥ असः ॥ द वि रु वानि
 मिनिर्मे नपूषा ॥ योगालसधरवासे नलः
 नत्रमिलमाल ॥ लै ॥ हिलसमरुकल

वि ॥
 १० ॥
 मि ॥
 ११ ॥
 मि ॥
 १२ ॥
 मि ॥
 १३ ॥
 मि ॥
 १४ ॥
 मि ॥
 १५ ॥
 मि ॥
 १६ ॥
 मि ॥
 १७ ॥
 मि ॥
 १८ ॥
 मि ॥
 १९ ॥
 मि ॥
 २० ॥
 मि ॥
 २१ ॥
 मि ॥
 २२ ॥
 मि ॥
 २३ ॥
 मि ॥
 २४ ॥
 मि ॥
 २५ ॥
 मि ॥
 २६ ॥
 मि ॥
 २७ ॥
 मि ॥
 २८ ॥
 मि ॥
 २९ ॥
 मि ॥
 ३० ॥

याः हस्तसाटिकाः नमो २८ विधीर्नूनपूर्याः
 ॥ १ ॥ वृक्षाविष्णुमहेश्वरः ॐ नमो हिन
 ॥ २ ॥ माडीकागधमून २ का ओः द विरुवाः
 निसिनिमूनपूर्या ॥ वा ॥ हस्तमाहननः
 वस्तुमूटिस्वरात्माक ॥ लं ॥ द ॐ नमो हस्त
 नयामः विद्याका नमः नमो २८ ॥ २ ॥
 काकमूननाथमिसः यादून उधान ॥ ३ ॥
 गत्रिपरवना ओष्ठि २ स्व ओः द विरुवा नी
 सिनिजार्गवत्र ॥ वा ॥ रूपटिः दीरुवक्षयाः
 ओम्नसमागुध्यान ॥ लं ॥ रुगन उधानयाः
 सः नानन्दनविद्याकाः नमो २८ विसिनी
 नूनपूर्या ॥ ३ ॥ ॐ ॥
 १ नमो ॥ पहलिया ॥ गालपु ॥ धुंधनिदक्ष
 ओः ननमिना ओम्नका नीयनिनगात्रः
 ॥ ४ ॥ नल २ ४ स्वत्रिपुपेनिः गुयत्य

॥ १ ॥
 ॥ २ ॥
 ॥ ३ ॥
 ॥ ४ ॥
 ॥ ५ ॥
 ॥ ६ ॥
 ॥ ७ ॥
 ॥ ८ ॥
 ॥ ९ ॥
 ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥
 ॥ १२ ॥
 ॥ १३ ॥
 ॥ १४ ॥
 ॥ १५ ॥
 ॥ १६ ॥
 ॥ १७ ॥
 ॥ १८ ॥
 ॥ १९ ॥
 ॥ २० ॥
 ॥ २१ ॥
 ॥ २२ ॥
 ॥ २३ ॥
 ॥ २४ ॥
 ॥ २५ ॥
 ॥ २६ ॥
 ॥ २७ ॥
 ॥ २८ ॥
 ॥ २९ ॥
 ॥ ३० ॥
 ॥ ३१ ॥
 ॥ ३२ ॥
 ॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥
 ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥
 ॥ ३७ ॥
 ॥ ३८ ॥
 ॥ ३९ ॥
 ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥
 ॥ ४३ ॥
 ॥ ४४ ॥
 ॥ ४५ ॥
 ॥ ४६ ॥
 ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥
 ॥ ४९ ॥
 ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥
 ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥
 ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥
 ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥
 ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥
 ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥
 ॥ ६४ ॥
 ॥ ६५ ॥
 ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥
 ॥ ६८ ॥
 ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥
 ॥ ७२ ॥
 ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥
 ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥
 ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥
 ॥ ८२ ॥
 ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥
 ॥ ८५ ॥
 ॥ ८६ ॥
 ॥ ८७ ॥
 ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥
 ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥
 ॥ ९३ ॥
 ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥
 ॥ ९६ ॥
 ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥
 ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥

त्रि॥ पञ्चलिङ्गं नवसंज्ञाविक्रमसं
 क्षकमात्रिः शुद्धः ॥ १ ॥ आगुलिपिथ्याः
 निगुलिषादिया दधुसमृद्धिरिनवानः
 गुवाल्संगुवगु आदिषात्रीयन दं
 वनउसंवानयनरुमियाथाक्षः नसन
 ॥ २ ॥ ऊगयासोलन कूलन धनम
 क्ष दानकुलिङ्गया ॥ दं अयातुः
 नासदं अयाखक्षस ॥ वसलपुगुनि
 ऊक्ष कविनैका कत्रसनः ॥ ३ ॥ ॐ
 आगा ॥ व्यासंगना ॥ कालप ॥ उधवविडीः
 डिमहि नउपदस ॥ ४ ॥ अतयासिनद
 गुधः गुलिकलमनैडि ॥ मकालयाभा
 ॐ अविदंसः उधव ॥ १ ॥ लिमस्वसं
 असनस वससं सौधाथाम ॥ कालक
 लविवेकयात्रसः उधव ॥ २ ॥ कसकी

॥ १ ॥
 उधवविडीः ॥

ववध झास नगलसि नलयास ॥ विस
 हल जागस दसः उधव ॥ ३ ॥ हनिअ
 धुधानथनि किगुलिइः खयायास ॥
 दनकुम देवजि नगासः उधव ॥ ४ ॥
 झाक मयाथ लिमनिः रगनिधलाय
 गनि ॥ यधजिग काद्रुयाथासः उध
 वविअजिग ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 राग ॥ रपालि ॥ नालयलिमां ॥ ऊयध
 थसंर ॥ ६ ॥ यत्ररुसकालि गिनिनाऊ
 नात्रिः ऊयनाथ ॥ ७ ॥ नाथगंगम दस
 कनसात्र ॥ रुऊगस विरुखध वगंव
 नधानेः ऊयनाथ ॥ ८ ॥ गम डीयकवि
 मधि नसिकविमान ॥ निपनिनधवा
 हाइन निपगुनगा डीः ऊयनाथ संर
 ॥ ९ ॥ ॐ ॥

ऊयधनाथसंर
 ॥ १ ॥
 ॥ २ ॥
 ॥ ३ ॥

२ रागा ॥ पद लिखा ॥ काल वी ॥ देव २ प

नसा नस हि य माध सह गु नू प न सा न ॥

स न स हि द य न क वा ध सि व न ल गु न

ऊ ह ह ॥ १ ॥ गु न स ध प न सा न स गु वि

ना ऊ सह गु रु ल ना ऊ ॥ रु ध न न सि व

ल स वा ध धी ध न प मि ना ऊ ह ह ॥ २ ॥

२ रागा ॥ ध्व न थ ॥ काल ॥ पंच मां ॥ हा देः ऊ य ध मा

धी हा न मि व न न स न ध ॥ हा दे ग व सिं ह प न

व न ध न म या थ स ॥ पंच स न पू त्र प नि वा न

म न द ऊ या उ ॥ हा दे रु ग न यो इः ख क

सू रु न का वि द्धा क म् ॥ ऊ यं २ ऊ ध नि

धि व न स न न ॥ ॥ ० ॥ ॥

॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥

प्राग ॥ श्री ॥ मालः दामां ॥ हादं रुग वान
 या नाम का यम ला न धी च नि ॥ गुन्ना च्छ
 न निहा स च्छ आ न धा जि दिन ॥ स्वयं रु
 रुग वान ॥ १ ॥ भाद सहु जु ल पा उः
 विवे क म या क ॥ पा य द क रु न का उ नि
 उ ध म ज या उ ॥ स्वयं रु रुग वान ॥ २ ॥
 य नि न या ग नि वि उः इ वि जि ख ना उ ॥
 दः पु गु नि म् गु नि वि उ क नू क्ष न या उ
 ॥ स्वयं रु रुग वान ॥ ३ ॥ झा क ब्र श्री प्र द
 वि ज रु ग न ख ना उ ॥ दः मू न का ल आ न्य
 न ल छि के नि इ का उ ॥ स्वयं रु रुग वा
 न ॥ ४ ॥ ॐ ॥

नागमा लु० ॥ गाल दो मां ॥ लो क या ना
 ध लो क नाथ ग ॥ ह ॥ थु गु लि प मान
 ॥ क ॥ ध थि न स सा ल स क प ग म य शु
 ल ध न म वि व क म या क न ॥ ध न म स
 म न म दु पा प स दु वि क लो क नाथ ग ॥
 ह न थु गु लि प मान ॥ १ ॥ ज म न म स वि
 त्य वा ना उ अ न य नि उ ह नि ग ॥ २ ॥
 प नान न ॥ २ ॥ ज न म ज म कि के स न
 न या था स लो क नाथ ग ॥ ह न थु गु
 लि प मान ॥ २ ॥ ॐ ॥

रागः धन्ता श्री ॥ तालः चौमा ॥ भस्त्रा ॥ ॥ होदः क
 वीलासः पर्वतः सस्थीरुनं वीज्याकः होदः जवंख
 वं नंदी भो दी ॥ ग ॥ रसन आनंद वीज्याक ॥ ली ॥
 धुंछ गुली जेंस होस्यः वीभुती न छ स वुस्य थु मा
 गस्य समान स होला वीज्याक ॥ प्र ॥ दीमी दीमी
 दसरु पाव वीवजीतः सीधी फल जान ॥ १ ॥ ॥

रागः आसावनी ॥ तालः प्रताल ॥ ॥ कांताजीयत
 नमारे सुवासो तील्याई ॥ कु ॥ डरवीनु बुरवीनु
 पंष चरन वीनुः जलास ये ल वीनु मंसा ॥ सोशा
 और को सारे जो ल्याई जागे रंगत न मांशाः कां
 ताजी ॥ १ ॥ नदीया का नागमैः बेसी के वीरुवाः व
 में पता लाहा ॥ स्ववेली चुनी चुनी वावत मृग
 वाः मृग के सीर लाहा कांटाजी ॥ २ ॥ ये कहो होत
 लीयेः एक ही वाणा वमें पं जानाही ॥ धींचत वा
 नमें सारत मृग वाः मृग के घाव नाही कांताजी

कवीलास जव १८

कवीलास जव २०

॥३॥ क हा य क वीर सुनो आई साधुः यह पडवु
की वीर ॥ ये ही पडको अर्थ नो खालोः स्वगुरु ह
मही चेलाः कांता जी ॥४॥ ॐ ॥

रागः स्वरथ ॥ ताल प्रताल ॥ ॥ नुयो रानी ई स्व
रीया जप तप याप ॥ कु ॥ ब्रह्म पुत्र राजकुमार
पुतरी कुहमांजीनी ॥ माहारानी सहो तनः तपो व
न वने नुयो रानी आवः नुयो ॥ १ ॥ दको लोक वीर
हनः घोषा वली सेवल ॥ दोल अदर्व वीयाः लोक
बुद्धे या नाछो वरानी आवः नुयो ॥ २ ॥ रथ मजो ल
पाह्याः सल दान वी प्रधुन ॥ मृग वन या मृग वन या
रथ चले यात सो वरानी आवः नुयो ॥ ३ ॥ रथ दान
वी प्रधुनः ब्रह्म पुत्र लुकुं दीस्य ॥ माहारानी राजकुमा
री पुर्ण साला येन सो वरानी आवः नुयो ॥ ४ ॥ स्वान
फल वन या मोभाः सो वरानी को कील हाल ॥ नमो दुव
धर्म या गुः जप तप या पे नुयो रानी आवः नुयो ॥ ५ ॥ ॐ ॥

नुयो रानी रथ २१

४५ को सिद्ध जा ज क्रमान २२

जाग ॥ विहास ॥ गालंधा ॥ ॥ अकसिंह जा
जकुमान सनवार्थसिद्ध ॥ के ॥ जाकु हाग ग्या
गकिथा चुजाकर्मकिथा ॥ हादः निर्जंजन
नदि तिजे थागकिथाह ॥ अकसिंह ॥ १ ॥
हादः सुजागान पिच पाकु दान किथा ॥ वा
धिवृक्ष मूल वजा सन किथाह ॥ अकसिं
ह ॥ २ ॥ हादः नमुचिमाजसंग संगममकि
था ॥ मान सव क्रितिके मृग जवध भेजा ॥
॥ अक ॥ ३ ॥ हादः धर्म चक्र प्रवर्द्ध किथा
अकसिंह ॥ पक्ष रडिका सव चुजाकर्मकि
थाह ॥ अक ॥ ४ ॥ नगज ग्राम दूलि जगम
होम किथा ॥ बुद्धावन रगे कमि दर्भ कि
थाह ॥ अक ॥ ५ ॥ निपाल याचु यनि कि
रवधवीज ॥ हादः जगम संसाज नक्षक
जा अकसिंह ॥ अक ॥ ६ ॥ ॥ बुद्ध

जाग ॥ कला ॥ काल करि ॥ ॥ परमं नि
 सन वार्थ सिद्ध जाग कूमात्र ॥ के ॥ दिष्टि
 जाग किथा आरुने गरु वरि राधा मंजिः
 भूषण का हा जातुं आरु ॥ हं सखि मनी
 धजा मंजि प्राध क हा ग था भूष का हा
 दन सध पातुं ॥ परमं नि ॥ १ ॥ रुग रुके
 उपन क नूध कृपा जाखिः जाधे हा ग
 जाग कि था पर ॥ नपाल रूषन पमि श्री
 किशु वध वीनः विक्रम सा हा देव गाय ॥

२ ॥ ० ॥

राग ॥ वसंत

॥ लोके कुलसील

राग ॥ वसंत ॥ ताल चो ॥ स्वव वृवा अमो ग पा सत के
 न ॥ हा दे ॥ कल ॥ के वा व ना आस था धा नि म चो ना
 चीन ॥ हा दे अमो घ पा सतो लता व म नो रे सोव
 ॥ १ ॥ दा शु के कि जा मनो ह रा व न ॥ अमो पा
 स ॥ चो ना व म सो ह रा य न रे ॥ स्वव वृवा ॥ २ ॥
 हा दे सुय दम अ प स रा रे ग्या ना व विस्प व न ॥
 हा दे वा घो त ता मनो ह रा घो न ता ल या स व द व ल
 सोव वृवा ॥ ३ ॥ दा शु कि जा नि नि नि रेखा धा न

परमं नि सन वार्थ २२

स्वव वृवा अमो घ पा स न किन

राग मंगल ॥ ताल अस्तार ॥ वंदे गणपतिं भवभू-
 हरणः शकलसुरासुरं नीरमलचरुनं दुषीत-
 वनं शागरचरुनं ॥ नीले वनमानसं नीरमल-
 चरुनं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

राग मंगल ॥ ताल चो ॥ शुजोधनराजाया कु-
 लः अतीभीन वधानः याव ॥ हादः अमृतनंजुद-
 अतीअवीशेषः कालजगतः सः जुलसाकेसुनी-
 वतार ॥ १ ॥ मायादेवीयावालयः लोकप्रतीपाल-
 याकः ॥ सुखरमुनीजन २ पुजाभावया कः ॥ जगत-
 ॥ २ ॥ ॥ ॥

राग मंगल ॥ ताल चो ॥ हादेसोववुचा अमोघ-
 पासनकेन ॥ हादेसोववुचा अमोघ-
 निहोचोनाचो ॥ हादे अमोघपासनी लता, ग-
 नहराकेनरे सोववुचा ॥ १ ॥ सुयावुल जपत-
 रादे गपानावविस्सवन ॥ हादे वायो लताम-
 नोहरापोनका लयासवदवुल सोववुचा ॥ २ ॥
 दाहुकि जामने हरारे ॥ अमोघपासनचिनावस-
 नोहरायेनरे सोववुचा ॥ ३ ॥ दाहुकि जामने निहो-

राग वसंतः ताल जति ॥ ॥ हंसदेः कक्षपाल
पाल परवत्सं वसलपा विज्या तवस अमृतां
भासिलेतसे जय ध्याव ॥ अरुणाया वर्या वसहेल
मोतिमाला सः जाजुले विज्या तवसमान ॥ १ ॥
श्री कुरु नामय आनंदारिने श्वर यादु ने जग उधा
र ॥ २ ॥ हंसदे लोक सेनं फे नवल धया गुले वि
ल वसनं जित दत्ता प्रसन जुमाल ॥ धुगुदु स्य फु
ताकि वद लपोल द सरवना आशानं वया भल
सानं ॥ श्री ॥ २ ॥ हंसदे शरील सध्वया धिन
पिदलपातल ससः मत्पूकारतरे या विव ॥ अने
२ वे दे केनाः नाना उपकार या नाम गेल यो जित उ
पकार ॥ श्री ॥ ३ ॥ हंसदे च नंदिनं सुमलपा अन
देव या के भजन या नाजिख ना वद या मदु देवा ॥ श्वव
श्वव जिपा यि धार द्याल चानंदिनं डे खुहाल धेः आनं
दारिलो के श्वर देवा ॥ श्री ॥ ४ ॥ अंग निशा अवतार
नृपति श्री जय वीर श्री राज परवत्स महर ॥ हंसकल
लया दे ह जुल निहस या प्रा न तु तले आनं दारिले